राजस्थान सरकार

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

RSCERT Udaipur

हवामहल

कोरोना समय में बच्चों का झरोखा

02 जुलाई 2022: शनिवार: वर्ष – 03: अंक – 10

चंदा मामा दूर के

आज की कविता

चन्दा हमसे बहुत दूर है, लेकिन हम रोज उसे देख पाते हैं। प्यार से हम उसे चन्दा मामा भी बुलाते हैं। मामा तो कभी कभी घर आ भी जाते हैं पर चंदा मामा कभी घर नहीं आते। छत से ही देखते रहते हैं कि मुन्ना क्या कर रहा है? प्यारा सा ये गीत सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। BookBox

लाल बरसाती

आज की कहानी

नई बरसाती घर आए तो लगता है जल्दी से पहनकर बाहर बारिश में निकल जाओ। लेकिन बारिश आए तब न? मनु कब से बारिश का इंतजार कर रहा है। बादल आते हैं पर चले जाते हैं। कब खत्म होगा मनु का इंतजार? कब आएगी बारिश? आईये... चित्र पर क्लिक कर कहानी सुनें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। BookBox

एक दूजे के लिए

आज की किताब

इस प्रकृति में हर कोई एक दूसरे के साथ जुड़ा हुआ है। सब एक दूजे के लिए ही बने हैं। बकरियाँ, पेड़ पत्तियां खा लेती हैं, बकरियों को शेर या भेड़िये खा लेते हैं, पर भेड़िये या शेर के शरीर को कौन खाता है? और फिर कैसे सब कुछ मिट्टी हो जाता है जिसमें पेड़ पत्तियां उगते हैं? यह जीवन चक्र जानने के लिए पढ़ते हैं ये कहानी। चित्र पर क्लिक कर कहानी पढ़े।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Room to Read

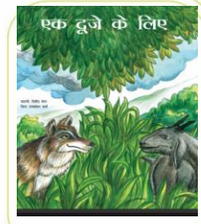

बुलेट ट्रेन

आज की गतिविधि

बुलेट ट्रेन के आजकल बड़े चर्चे हैं । बहुत तेज गति से चलने वाली आधुनिक ट्रेनें हैं ये। लेकिन क्या अपने कभी सोचा है कि आप एक बुलेट ट्रेन बनाकर उसे टनल में दौड़ा सकते हैं ? और एक ही नहीं, एक साथ आप दो ट्रेनें एक ही टनल में दौड़ा सकते हैं। आइए देखते और सीखते हैं ये मेजेदार गतिविधि .... चित्र पर क्लिक कर गतिविधि का विडियो देखें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindgupta Toys

गणित कक्षा के कुछ अनुभव

टीचर्स कॉर्नर

इबारती सवाल हल करने में बच्चों को बड़ी समस्या देखने में आती है। एक तो मानक भाषा की समस्या और दूसरा संदर्भ समझ में न आने की समस्या। बच्चे यही पूछते पाए जाते हैं कि इस सवाल में क्या करना है? सुशांत पानी के इस आलेख में इन मसलों की चर्चा की गई है। चित्र पर क्लिक कर लेख पढ़े।

शिक्षकों के लिए। Pathshala

नवाचार से बदलाव की कहानी

हमारा पुस्तकालय

अगर कुछ नया करने की ठान लो तो रास्ते निकल ही आते हैं। बच्चों की प्रार्थना सभा से लेकर पालकों से संवाद तक अवसरों की एक पूरी श्रृंखला है जिसे झुंझुनू के रामेश्वर वालकीकर ने स्कूल में बदलाव के लिए उपयोग किया है। आइए बदलाव की इस कहानी को जानते हैं उनके ब्लॉग से ....

शिक्षकों के लिए। Education Mirror

#घर में रहें
#आनन्दसेपढ़ें

साथियों, हवामहल का 114 वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोड़िए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।